3

मोची और बौने

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने बताया है कि मुसीबत के समय में हमें निराश न होकर लगातार परिश्रम करते रहना चाहिए। समय आने पर प्रभु अपने दूतों के माध्यम से हमारी सहायता करते हैं।

एक मोची और उसकी पत्नी अपनी दुकान के पीछे बने कमरे में रहते थे। मोची बहुत अच्छे जूते बनाता था। लेकिन उसके पास पैसे बहुत कम थे। इसलिए वह एक जोड़ी जूते के लिए ही चमड़ा लाता था।

एक दिन काम करते-करते अँधेरा हो गया। मोची ने जूते बनाने के लिए चमड़ा काटकर रख दिया। फिर वह अपने घर चला गया।

अगले दिन मोची दुकान में आया। मोची ने देखा कि कटे चमड़े से किसी ने सुंदर जूते बना दिए हैं। मोची को बड़ा आश्चर्य हुआ। उसने अपनी पत्नी को बुलाया और कहा–"रात को मैंने चमड़ा काटकर रखा था। देखो, रात में ऐसे सुंदर और मज़बूत जूते किसने बना दिए?"

"कितने सुंदर जूते हैं!" उसकी पत्नी ने कहा।

तभी दुकान पर एक व्यक्ति आया। उन जूतों को देखकर वह बोला–"जूते बड़े सुंदर हैं। इन्हें मुझे दे दो भाई।"

मोची ने जूते उसे दे दिए। उस व्यक्ति ने मोची को उनके बदले में काफ़ी पैसे दिए।

उस दिन मोची दो जोड़ी जूतों के लिए चमड़ा लाया। शाम को चमड़ा काटकर वह अपने घर चला गया।

अगले दिन वह दुकान में आया। उसने देखा कि आज भी कटे चमड़े से जूते बने रखे हैं।

"जूते कौन बना जाता है?" मोची मन-ही-मन बुदबुदाया।

उस दिन भी उसकी दुकान पर एक व्यक्ति आया। उसने जूतों को बहुत पसंद किया और बोला–"ये जूते बड़े सुंदर और मज़बूत हैं। इन्हें मुझे दे दो।"

मोची ने जूतों को उस व्यक्ति को दे दिया। उसने भी मोची को जूतों के बदले बहुत-से पैसे दिए।

अब मोची अधिक चमड़ा लाने लगा। वह शाम को चमड़ा काटकर रख जाता और सुबह उसे सुंदर जूते बने मिलते। सुंदर और मज़बूत होने के कारण जूते तुरंत बिक जाते। इस प्रकार मोची धनवान होता चला गया।

एक दिन मोची की पत्नी ने कहा–"आज रात को हम दुकान की खिड़की से देखेंगे कि जूते कौन बना जाता है।"

मोची ने शाम को चमड़ा काटा और अपनी पत्नी के साथ खिड़की के पीछे छिपकर बैठ गया और देखने लगा।

मोची और उसकी पत्नी ने देखा कि रात होने पर दो बौने नाचते-नाचते आए और जूते सिलने लगे। जूते बनाकर फिर वे नाचते-नाचते चले गए।

मोची की पत्नी ने कहा–"अच्छा! तो ये बौने ही जूते बना जाते हैं। इन दोनों ने हमारी बहुत मदद की है। मैं इनके लिए सुंदर-सुंदर कपड़े बनाऊँगी।"

"मैं इनके लिए छोटे-छोटे जूते बनाऊँगा," मोची बोला।

मोची और उसकी पत्नी ने बौनों के लिए सुंदर जूते और कपड़े बनाए। उन्होंने जूते और कपड़े शाम को दुकान में रख दिए। फिर वे खिड़की के पीछे बैठकर देखने लगे। रात हुई। बौने आए।

"आज तो चमड़ा नहीं है," एक बोला।

"अरे! देखो, यह क्या? कपड़े और जूते!" दूसरे बौने ने कहा।

कपड़े और जूते पहनकर दोनों बौने खुश हुए और उछलते-कूदते चले गए। अब मोची और उसकी पत्नी दोनों प्रसन्न थे।

शिक्षा **मुसीबत में भगवान हमारी सहायता करते हैं।**

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को बताएँ कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी होती है।
- बच्चों को उदाहरण देकर समझाएँ कि जो लोग अपनी सहायता अपने आप करते हैं, उनकी सहायता भगवान भी करते हैं।

शब्द-पोटली

आश्चर्य	– अचंभा	बुदबुदाना	– धीरे-से बोलना	मज़बूत	– टिकाऊ
धनवान	– पैसे वाला, अमीर	प्रसन्न	– खुश	सुंदर	– खूबसूरत

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) मोची क्या बनाता था?

(ख) जूते कैसे थे?

(ग) रात को जूते कौन बना जाता था?

लिखित

(क) मोची और उसकी पत्नी ने क्या देखा?

_____

(ख) मोची को क्या देखकर आश्चर्य हुआ?

_____

(ग) मोची और उसकी पत्नी ने क्या किया?

_____

(घ) दोनों बौने क्या पहनकर खुश हुए?

_____

2. सही विकल्प पर लगाइए :

(क) मोची किसके साथ दुकान के पीछे रहता था?

पत्नी के ☐ भाई के ☐ बहन के ☐

(ख) जूते कैसे थे?

☐ ☐ ☐

बेकार सुंदर बहुत बुरे

(ग) मोची ने रात को क्या ☐ टकर रखा? ☐ ☐

चमड़ा जूता तरबूज

(घ) धनवान कौन हो गया? ☐ ☐ ☐

बौने मोची पड़ोसी

3. सही के आगे ☐ और गलत के आगे ☐ लगाइए :

(क) मोची के पास बहुत पैसे थे। ☐

(ख) मोची अधिक चमड़ा लाने लगा। ☐

(ग) मोची अपनी पत्नी के साथ दरवाज़े के पीछे छिपकर बैठ गया। ☐

(घ) मोची की पत्नी ने बौनों के लिए टोपी बनाई। ☐

(ङ) बौने जूते बना जाते थे। ☐

भाषा बोध

1. पढ़िए और लिखिए :

दुकान _____ जूता _____ बौना _____

कपड़ा _____ खिड़की _____ पैसा _____

2. सही मेल मिलाकर वाक्य लिखिए :

मैं		में कुशल हैं।
तुम	खेलने	जाऊँगा।
वह		कब जाओगे?
वे		नहीं जाएगा।

_____

_____

_____

_____

3. तुक मिलते शब्द लिखिए :

जल = _____ सुंदर = _____ जोड़ी = _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

दुकान	चमड़ा	अँधेरा	आश्चर्य
_____	_____	_____	_____
व्यक्ति	मज़बूत	प्रसन्न	सुंदर
_____	_____	_____	_____

क्रियात्मक कार्य

(क) इस कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) दूसरे की सहायता करने की ऐसी ही कोई कहानी लिखिए।

उच्च बौद्धिक स्तरीय प्रश्न (HOTS)

- यदि आपका कोई मित्र गरीब है, तो आप उसकी सहायता कैसे करेंगे? सही विकल्प पर लगाइए :

अपनी पुस्तकें देकर	☐	उसकी पुस्तकें छीनकर	☐
अपना खाना उसे खिलाकर	☐	उसकी पिटाई करके	☐

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- यदि आपको रास्ते में विद्यालय जाते समय कोई दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति या सहपाठी मिल जाए, तो आप पहले क्या करेंगे?

जीवन कौशल (Life SKill)

- हमेशा जीवन में असहाय या पीड़ित लोगों की सेवा कीजिए।